



## PRESS RELEASE

**INDIAN YOUTH NEED THE RIGHT GUIDANCE, TECHNICAL SUPPORT AND POLICY-MAKING TO ACHIEVE THE GOAL OF VIKSIT BHARAT BY 2047: LOK SABHA SPEAKER/2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में युवाओं को सही मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और नीति-निर्माण की आवश्यकता है : लोक सभा अध्यक्ष**

**SPIRIT OF "ANTYODAYA" IS A SHARED RESPONSIBILITY: LOK SABHA SPEAKER/"अंत्योदय" की भावना एक साझा ज़िम्मेदारी है: लोक सभा अध्यक्ष**

**INDIAN YOUTH POSSESS THE PASSION FOR CHANGE, THE ABILITY TO SHAPE THE FUTURE AND THE ZEAL FOR NATION-BUILDING: LOK SABHA SPEAKER/भारतीय युवाओं में बदलाव का जुनून, भविष्य गढ़ने की क्षमता और राष्ट्र निर्माण का जज़्बा है: लोक सभा अध्यक्ष**

**JAIN INTERNATIONAL TRADE ORGANISATION (JITO) IS A PLATFORM WHERE NEW TECHNOLOGY, IDEAS, AND INNOVATIONS ARE SHARED: LOK SABHA SPEAKER/जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (JITO) एक ऐसा मंच है जहाँ नई तकनीक, विचार और नवाचार साझा किए जाते हैं: लोक सभा अध्यक्ष**

**LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES JITEM YOUTH CONCLAVE 2025/लोक सभा अध्यक्ष ने JITEM Youth Conclave 2025 को संबोधित किया**

**New Delhi/Gurugram (Haryana) 18 July 2025:** Lok Sabha Speaker Shri Om Birla today stressed that Indian youth need the right guidance, technical support, and policy-making in their journey towards Viksit Bharat by 2047. In this regard, the Speaker emphasized the role of social organizations in the holistic development of society and the nation as extremely important.

Shri Birla observed that embodying the spirit of "Antyodaya" (uplifting the last person), ensuring that no member of society is left behind in the race of progress, is a shared responsibility. He added that the efforts of the Jain community in this regard are inspiring and exemplary. Shri Birla underlined that India's youth are vast not only in number but also in determination. They possess the passion for change, the ability to shape the future, and the zeal for nation-building. He noted that the youth are not just job seekers but are becoming job creators. Campaigns like Start-up India, Skill India, Make in India, and the Green Energy Mission have directed their energy positively, he said.

Shri Birla made these remarks while addressing the "JITEM Youth Conclave 2025" organized by Jain International Trade Organisation (JITO) at Gurugram, today.

<https://x.com/ombirlakota/status/1946116121729331692>

Mentioning that JITO is not just a community organization for trade and business; Shri Birla opined that it is an institution where trade, innovation, Jain principles, Jain thoughts, the teachings of Jain saints, and Lord Mahavir's philosophies come together. He added that in JITO is a platform where new technology, ideas, and innovations are shared. He added that JITO is setting an example in this direction. Through economic, educational, and service-oriented activities, the organization is not only empowering the Jain community but also making a significant contribution to India's development.

Shri Birla noted that the Jain community, whether in trade, industry, social sectors, urban politics, technology and science, social service, or government service, have established an important place in the nation due to their ethics and spiritual faith. He added that not only in India but also in many other countries, the Jain community has contributed to progress, prosperity, and happiness. Shri Birla underlined that moral thoughts, social cooperation, dedication, service, renunciation, global peace and goodwill are the core principles of the Jain community.

Speaking about the strength of Indian democracy, Shri Birla said that Indian democracy is not just a post-independence phenomenon, but it deeply is embedded in the nation's work ethos, culture, behavior, spiritual beliefs, and the collective welfare of society. Shri Birla recalled that at the time of independence, many countries believed that democracy wouldn't succeed in a large and diverse nation like India, but India proved them wrong. He added that the nation has always had a culture of discussion, social effort, and collective resolve during crises, which makes the nation capable of facing challenges together.

**नई दिल्ली/गुरुग्राम (हरियाणा) 18 जुलाई 2025:** लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज इस बात पर ज़ोर दिया कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में युवाओं को सही मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और नीति-निर्माण की आवश्यकता है। इस

संबंध में, अध्यक्ष महोदय ने समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में सामाजिक संगठनों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

श्री बिरला ने कहा कि "अंत्योदय" (अंतिम व्यक्ति का उत्थान) की भावना को चरितार्थ करते हुए यह सुनिश्चित करना कि समाज का कोई भी व्यक्ति प्रगति की दौड़ में पीछे न छूटे, हमारी साझा ज़िम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में जैन समुदाय के प्रयास प्रेरक और अनुकरणीय हैं। श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के युवा केवल संख्या में ही नहीं, बल्कि संकल्प में भी विशाल हैं। उनमें बदलाव का जुनून, भविष्य गढ़ने की क्षमता और राष्ट्र निर्माण का जज़्बा है। उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले भी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और ग्रीन एनर्जी मिशन जैसे अभियानों ने उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दी है।

श्री बिरला ने आज गुरुग्राम में जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (JITO) द्वारा आयोजित "JITEM Youth Conclave 2025" को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

<https://x.com/ombirlakota/status/1946116121729331692>

इस बात का उल्लेख करते हुए कि JITO केवल व्यापार और व्यवसाय के लिए कार्यरत सामुदायिक संगठन नहीं है, श्री बिरला ने कहा कि यह एक ऐसी संस्था है जहाँ व्यापार, नवाचार, जैन सिद्धांत, जैन विचार, जैन संतों की शिक्षाएँ और भगवान महावीर के दर्शन एक साथ आते हैं। उन्होंने आगे कहा कि JITO एक ऐसा मंच है जहाँ नई तकनीक, विचार और नवाचार साझा किए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि JITO इस दिशा में आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। आर्थिक, शैक्षिक और सेवामूलक गतिविधियों के माध्यम से, यह संगठन न केवल जैन समुदाय को सशक्त बना रहा है, बल्कि भारत के विकास में भी प्रभावी योगदान दे रहा है।

श्री बिरला ने कहा कि चाहे व्यापार, उद्योग, सामाजिक क्षेत्र, शहरी राजनीति, प्रौद्योगिकी और विज्ञान, समाज सेवा हो या सरकारी सेवा हो, जैन समुदाय ने अपनी नैतिकता और आध्यात्मिक आस्था के बल पर देश में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि जैन समुदाय ने न केवल भारत में, बल्कि कई अन्य देशों में भी प्रगति, समृद्धि और खुशहाली में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि नैतिक विचार, सामाजिक सहयोग, समर्पण, सेवा, त्याग, विश्व शांति और सद्भावना जैन समुदाय के मूल सिद्धांत हैं।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारत में लोकतंत्र स्वतंत्रता के बाद नहीं आया, बल्कि यह देश की कार्य-संस्कृति, लोकाचार, आचरण, आध्यात्मिक मान्यताओं और समाज के सामूहिक कल्याण में गहराई से समाया हुआ है। श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख भी किया कि स्वतंत्रता के समय, कई देशों का मानना था कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र में लोकतंत्र सफल नहीं होगा, लेकिन भारत ने उन्हें गलत साबित कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि देश में हमेशा से ही विचार-विमर्श और संकट के समय सामूहिक प्रयास करने की संस्कृति रही है, जो राष्ट्र को एकजुट होकर चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है।